Andhra Government while asking for more funds?

Shri Hathi: I think the project is progressing very well, I should say so, and they are doing the work well. We are trying to assist them as well as we can The Andhra Government is also trying, and they will provide Rs 1.74 crores extra from the State Government

Shri Venkatasubbiah: In view of the fact that the amount so far allotted has been fully utilised, will the Government find out any other amount from any other source, and divert it to this project, so that this may be completed before the scheduled time?

Shri Hathi: That is what we have been doing during the last three years Whatever was available, we have diverted to this project

School Health Service

*589. **Shri Supakar:** Will the Minister of Health be pleased to state:

(a) whether any detailed scheme for a comprehensive school health service, to be started in the Third Five Year Plan, has been formulated; and

(b) the likely cost of the scheme?

The Minister of Health (Shri Karmarkar): (a) and (b) A comprehensive school health service scheme for inclusion in the Third Five Year Plan has not yet been formulated

सेठ गोविन्द दास : क्या इस सम्बन्ध मे कोई पत्र भिन्न भिन्न राज्यो को भेजा गया है और क्या इस विषय में उन की कोई सिफारिशे मागी गई है ?

श्री करमरकर : अभी यह काम चल रहा है ।

एक माननीय सदस्य : कौन सा काम ?

श्री करमरकर : यह काम कि थर्ड फाइव यीअर प्लान में किस किस को रखना है । जो वर्किंग ग्रुप्स मिलते हैं, उन में स्टेट गवर्नमेंट्स से भी राय ली जायेगी ।

Shri Supakar: May I know if the scheme will cover all schools including the primary schools?

Shri Karmarkar: Already some type of scheme is in operation, and if I remember aright, for the Second Five Year Plan an amount of Rs 85 lakhs has been provided in the plans of the States. In fact, for instance, the Madras Government is going ahead with the scheme; some other States also; and the primary schools, in so far as it is possible, are also being included

पान के कीड़े

\+

*५९३. { श्री झावीवाला :
श्री क० भे० मालवीय :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या भारतीय कृषि गवेषणा संस्था मेगोमिलविग (megomilvig) कीड़ो को, जो कि पान की फसल को नुकसान पहुंचाते हैं, मारने के लिये कोई विधि खोज निकालने के लिये प्रयत्नशील है,

(ख) यदि हा, तो सस्था को इस सम्बन्ध में अब तक कहा तक सफलता मिली है, और

(ग) क्या सरकार को यह ज्ञात है कि ये कीड़े मध्य प्रदेश में पान की फसल को बहुत नुकसान पहुंचा रहे है ?

कृषि मंत्री (डा० पं० शा० देशमुख) : (क) से (ग) पान की फसल के सम्बन्ध में मेगोमिलविग्स (megomilvigs) नाम का कोई ऐसा कीड़ा नही है । मैंगो मीली (mango mealy) नाम का एक कीड़ा है परन्तु यह पान की बेल पर नहीं होता है । लेकिन बहुत प्रकार के कीड़े हैं जिन को

कि मीली बग्स (mealy bugs) कहा जा सकता है और इन कीडों में से एक कीडा जो पान की बेल पर होता है, फेरीसिआना (Ferrisiana Sp) किस्म का कहलाता है। भारतीय कृषि अनुसन्धानशाला में बहुत से मीली बग्स पर अनुसन्धान किये हैं परन्तु ऐसे मीली बग्स पर नही जो पान की बेल पर आक्रमण करते है। इस कीड़े पर अनुसन्धान तथा कन्ट्रोल करने का कार्य स्टेट एन्टोमोलोजिस्ट (Entomologist) द्वारा किया जाता है, जहा इस कीडे की समस्या स्थानीय किस्म की है।

मीली बग्स की एक किस्म अभी ग्वालियर मे पान की बेल पर पायी गयी है और ग्वालियर के कृषि कालिज में एन्टोमोलोजिस्ट्स द्वारा इस कीडे पर कन्ट्रोल करने के तरीके मालूम कर लिये गये है।

स्टेट के कार्यकर्ताओ ने रिपोर्ट दी है कि आर्गेनिक (organic) कीटाणुनाशक, पैराथियन (Parathion) या मालाथियन (malathion) छिडकने से इस कीडे पर सफलतापूर्वक नियत्रण किया गया है। ब्रूमस सुटारालिस (Brumus Suturalis) नाम का एक शिकार करने वाला कीडा, जो इन मीली बग्स पर गुजारा करता है, भी देखने में आया है।

श्री खादीवाला : क्या मत्री महोदय का यह मालूम है कि मध्य प्रदेश में पान की काफी खेती होती है, और वहा उन पानो मे कीडा लगने से काफी नुकसान होता है ?

डा० पं० डा० देशमुख : चन्द जगहो मे इन कीडों के बारे में हमारे पास इत्तिला आई है। उस के बारे में रिसर्च का भी कुछ इतिजाम किया गया था। इस की इन्फार्मेशन अगर मेम्बर साहब को चाहिये, तो मैं दे सकता हू।

श्री खादीवाला : कितना वक्त हो गया है इस बात को ?

डा० पं० डा० देशमुख : यह नही कह सकता।

सेठ गोविन्द दास : क्या माननीय मत्री जी यह बात जानते हैं कि इस सम्बन्ध में मध्य प्रदेश की सरकार ने भी और वहा की जनता ने भी बार बार लिखा है कि हर वर्ष वहा पर हजारो नही, लाखों रुपये का नुकसान होता है और क्या यह बात सही नही है कि इस कार्य के सम्बन्ध मे केन्द्रीय सरकार से बहुत देर हो रही है और क्या यह आशा की जा सकती है कि इस सम्बन्ध मे जल्दी हो ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री ग्र० प्र० जैन) : इस प्रकार का अनुसन्धान राज्य सरकार का काम है और वह यह कार्य कर रही है। इस सम्बन्ध मे उस को केन्द्रीय सरकार को लिखने की आवश्यकता नही थी और वह जो कर रही है वह अपनी जिम्मदारी को पूरा कर रही है।

श्री खादीवाला . राज्य सरकार ने तो लिखा है आप को।

श्री ग्र० प्र० जैन . मैं ने कहा कि यह काम उन का है और वही कर रहे हैं। यह एक मुकामी दिक्कत है। उस को दूर करने के लिये वह रिसर्च करेगे।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Accident at Mahaluxmi

*576 { Shrimati Parvathi Krishnan: Shri Nagi Reddy.

Will the Minister of Railways be pleased to state

(a) whether on the 18th December, 1958 two goods wagons ran off the track and crashed into a hut killing two men and injuring two others in a fodder yard at Mahaluxmi on Western Railway,